मिशन शिक्षण संवाद

गाँधी जयन्ती एवं शास्त्री जयन्ती की हार्दिक शुभकामनाएं

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं
का
संकलन

गाँधी जी के विभिन्न आन्दोलन

बेसिक के शिक्षकों
का
अभिनव प्रयास

संकलन

काव्यमंजरी टीम मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

गाँधी जी के विभिन्न आन्दोलन

चम्पारन आन्दोलन

01

पहला आन्दोलन जो हुआ था,
गाँधी जी के नेतृत्व में।
चम्पारन सत्याग्रह कहलाया,
हुआ बिहार चम्पारन जिले में।।

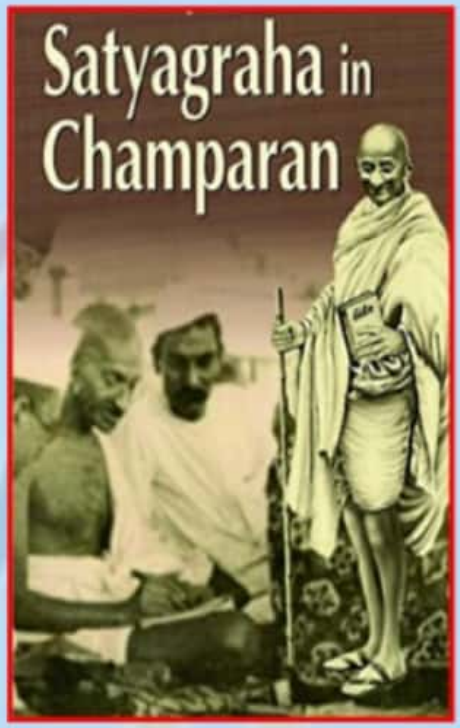

अंग्रेजों ने चम्पारन में,
किसानों से किया था एक करार।
जिसमें किसानों ने 3/20 भूमि पर,
नील की खेती करना किया स्वीकार।।

नील की मांग गिरने से,
करार खत्म करना चाहा।
बदले में बागान मालिक ने,
भारी लगान उनसे मांगा।।

चम्पारन आन्दोलन में फिर,
गाँधी जी ने सत्याग्रह किया।
तिनकठिया पद्धति समाप्त हुई,
गाँधी जी को 'महात्मा' नाम दिया।

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

गाँधी जी के विभिन्न आन्दोलन

खेड़ा आन्दोलन

02

गुजरात जिले में हुई थी,
पूरी-पूरी फसल बर्बाद।
किसान कर रहे थे मांग,
हो लगान हमारी माफ।।

सरकारी अधिकारी न,
सुनने को थे तैयार।
गांधी जी ने तब दी सलाह,
सत्याग्रह को हो तैयार।।

गांधी जी ने की अपील,
स्वयं सेवक अब खुद बनो।
अपनी बात मनवाने खातिर,
खेड़ा आन्दोलन तुम करो।।

सरकार को अपनी भूल का,
मन ही मन एहसास हुआ।
बिना सार्वजनिक घोषणा के,
किसानों का लगान माफ किया।।

शहनाज़ बानो (स० अ०)
पू० मा० वि० भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

गाँधी जी के विभिन्न आन्दोलन

खिलाफत आन्दोलन

03

मार्च 1919 बम्बई में,
खिलाफत समिति गठित करी।
अली और शौकत संग,
मुद्दों पर चर्चा शुरू करी।।

1920 में गाँधी जी ने,
आन्दोलन का नेतृत्व किया।
भाईचारे से ओतप्रोत,
खलीफा का समर्थन किया।।

असहयोग आन्दोलन की,
इससे नींव रखी गई।
हिन्दू-मुस्लिम एकता की,
मिसाल कायम करी गई।।

जनवरी 1921 में,
आन्दोलन समाप्त हुआ।
राष्ट्रीय भाव की ज्वाला में,
घी का इसने काम किया।।

रचना
आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

गाँधी जी के विभिन्न आन्दोलन

असहयोग आन्दोलन

04

गाँधी जी का था,
महान जन आन्दोलन।
हिला दिया जिसने,
अंग्रेजों का तन-मन।

1920 दिसम्बर नागपुर में,
प्रस्ताव यह पास हुआ।
जुड़ गए लाखों लोग,
आन्दोलन यह खास हुआ।

उपनिवेशवाद भारत से हटाना चाहते थे,
गाँधी जी भारत में स्वराज लाना चाहते थे।
विद्यार्थियों ने स्कूल जाना छोड़ दिया,
वकीलों ने अदालत से मुंह मोड़ लिया।

1922 चौरी चौरा कांड से,
गाँधी जी का मन दुखी हुआ।
देखो यह महान आंदोलन,
अति शीघ्र ही स्थगित हुआ।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

Scanned with Can

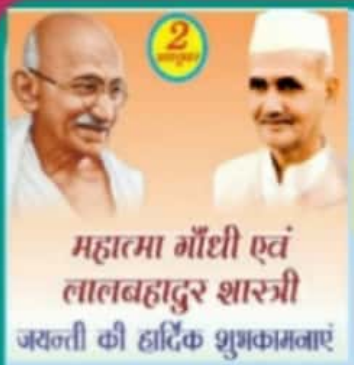

मिशन शिक्षण संवाद

गाँधी जी के विभिन्न आन्दोलन

सविनय अवज्ञा आन्दोलन

5

अंग्रेजी कानून अवज्ञा,
करने का जब बना था मन।
शुरू किया गाँधी ने मिलकर,
सविनय अवज्ञा आन्दोलन।

12 मार्च उन्नीस सौ तीस को,
दांडी यात्रा शुरू किया।
6 अप्रैल उन्नीस सौ तीस को,
समुद्र किनारे पहुँच लिया।

काँप उठी सरकार ब्रिटिश,
भारत की जनता जाग उठी।
स्वराज पाने की राहों में,
फिर से नव उत्साह जगी।

नमक बनाकर किया उल्लंघन,
गाँधी ने नमक कानून का।
हुए गिरफ्तार ऐसा कर के,
फिर भी बहुत सुकून था।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा०वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

गाँधी जी के विभिन्न आन्दोलन

भारत छोड़ो आन्दोलन 8 अगस्त 1942

6

गाँधी जी का सत्य-अहिंसा,
सुभाष का जोश था शामिल।
साम्राज्यवाद का अंत करने को,
जिसकी आजादी थी मंजिल।।

भारत छोड़ो आन्दोलन का,
बिगुल बजा था बॉम्बे में।
अपनी स्वतंत्रता और लोकतंत्र की,
आस जगी थी अब जन-जन में।।

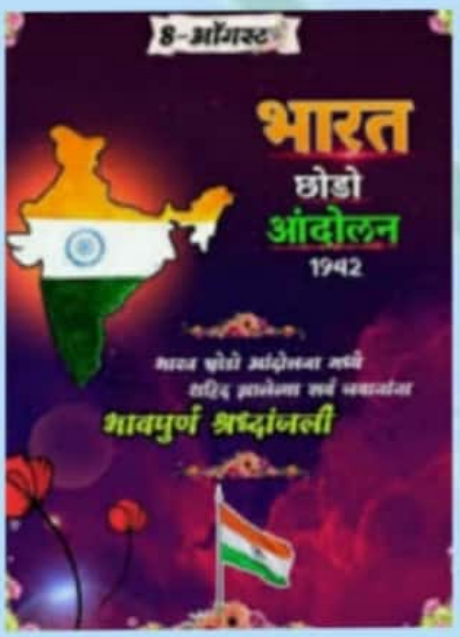

एक साथ सब मिल कर आये,
अंग्रेजों से भय न कोई खाये।
भारत छोड़ो आन्दोलन था जारी,
हुई गोलीबारी, लाठीचार्ज और गिरफ्तारी।।

क्रिप्स मिशन को सिरे से नकारा,
जवाब अंग्रेजों को दिया करारा।
करो या मरो का मंत्र स्वीकारा,
अंग्रेजों भारत छोड़ो बस ये था नारा।।

डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण-उन्नाव

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

गाँधी जी के विभिन्न आन्दोलन

नमक सत्याग्रह आन्दोलन

7

हम सबके प्यारे बापू ने,
अंग्रेजी सरकार को हिलाया।
एकाधिकार के खिलाफ हमें,
अहिंसा का पाठ पढ़ाया॥

बारह मार्च उन्नीस सौ तीस में,
एक आन्दोलन चलाया।
' नमक सत्याग्रह' नाम रखा,
दांडी मार्च भी कहलाया॥

पूरे देश को किया एकजुट,
आज़ादी का बिगुल बजाया।
भारतीयों को नमक बनाने,
का अधिकार दिलाया॥

चौबीस दिनों तक यह आन्दोलन,
सबने मिलकर चलाया।
नमक क़ानून तोड़कर तब,
महिलाओ को सशक्त बनाया॥

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

रचना
मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

Scanned with Cam

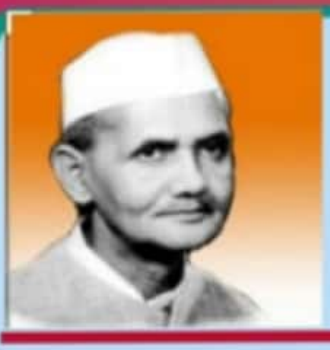

मिशन शिक्षण संवाद

02 अक्टूबर विशेष

लाल बहादुर शास्त्री

8

शारदा प्रसाद के पुत्र हुए,
लाल बहादुर शास्त्री।
माता जिनकी रामदुलारी,
पत्नी ललिता शास्त्री ।।

2 अक्टूबर को जन्मे,
सन उन्नीस सौ चार।
11 जनवरी 1966 में,
छोड़ गए संसार।।

18 माह तक भारत के,
बने दूसरे प्रधानमंत्री।
जी बी पंत के कार्यकाल में,
बने थे पुलिस मंत्री।।

पाक हराया भारत ने,
मरणोपरांत मिला भारत रत्न।
2 अक्टूबर शास्त्री जयंती पर,
हम सब करते हैं उन्हें नमन।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

नरेन्द्र कुमार वर्मा (प्र. अ.)
प्राथमिक विद्यालय बझेड़ा,
चंडौस, अलीगढ़

Scanned with Cam

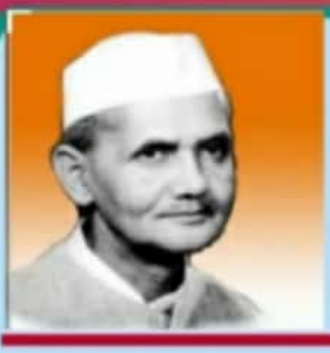

मिशन शिक्षण संवाद

02 अक्टूबर विशेष

लाल बहादुर शास्त्री

9

2 अक्टूबर को हम,
शास्त्री जी का जन्मदिन मनाते हैं।
जय-जवान, जय-किसान का नारा,
खूब ज़ोर ज़ोर से गाते हैं।

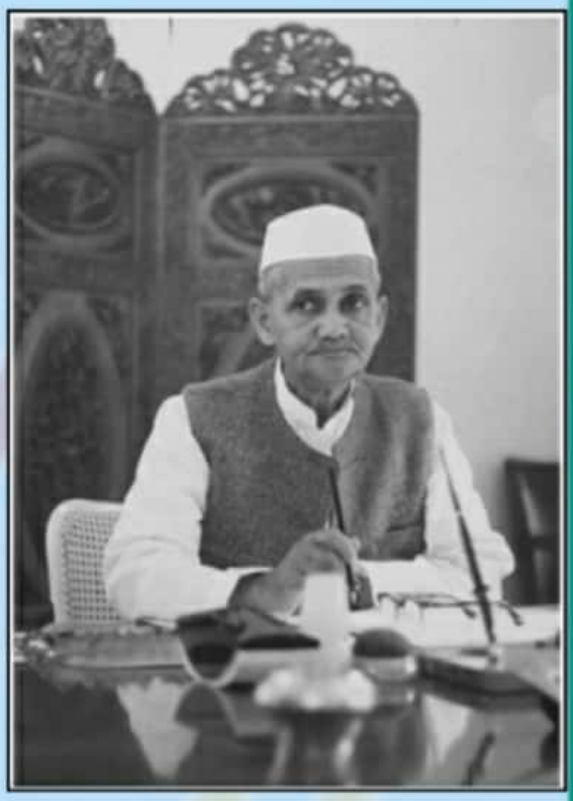

मुगलसराय में जन्मे थे,
और ताशकंद में मृत्यु।
थे बहुत सरल स्वभाव के,
बेहद सन्तुलित व्यक्तित्व।

उनके जन्मदिवस पर,
उनको याद बहुत हम करते हैं।
और उनके सम्मान में हम,
उनको शत-शत नमन करते हैं।

तिलक और गाँधी जी के,
पद चिन्हों पर चले।
और देशभक्ति के कामों में,
अडिग होकर बढ़े।

रचना
रेनू (स०अ०)
प्रा०वि० कूँडी
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

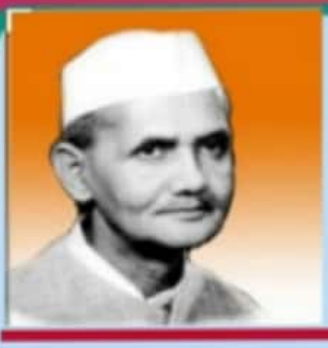

मिशन शिक्षण संवाद

02 अक्टूबर विशेष

'लाल बहादुर शास्त्री'

10

शास्त्री जी का नाम जब आता,
दृढ़,संकल्पों की याद कराता।
मेहनत प्रार्थना के समान,
यह संवाद याद बहुत आता।।

दो अक्टूबर जन्म है आता,
शास्त्री जी की भी याद कराता।
प्रधानमंत्री का पद जब पाया,
गाँव, देश का मान बढ़ाया।।

डेढ़ वर्ष के जब वो हुए,
पिता उनके तब सिधार गए।
घर का नाम रखा था नन्हे,
खूब चले थे पैरों से नंगे।।

उन्नीस सौ पैंसठ जब है आया,
भारत पाक युद्ध फरमाया।
पाकिस्तान को दिया जबाब करारा,
नहीं माना कभी खुद को हारा।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

कल्पना कुमारी(स०अ०)
क० मॉ० प्रा० स्कूल हज़ीपुर
फतेह खान
धनीपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

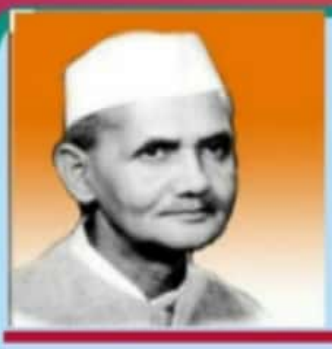

मिशन शिक्षण संवाद

02 अक्टूबर विशेष

लाल बहादुर शास्त्री

11

उन्नीस सौ चार में जन्मे नेता,
थे लाल बहादुर शास्त्री।
'पंडित नेहरू' के बाद बने,
देश के दूसरे प्रधानमंत्री।।

भारत ने पाक से युद्ध जीता,
उनके ही शासनकाल में।
कायाकल्प किया देश का,
मात्र डेढ़ ही साल में।।

शास्त्री जी की देशभक्ति को,
भारत रत्न से किया सम्मानित।
"जय जवान और जय किसान" के,
नारे से देश किया संचालित।।

वो थे लाल बहादुर शास्त्री,
भारत देश के वो रखवाले।
उन्नीस सौ छियासठ में निधन हुआ,
देश किया, हम सब के हवाले।।

रचना- पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
ब्लॉक धनीपुर
जनपद अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

रचनाकारों की सूची

1- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़

2- शहनाज़ बानो, चित्रकूट

3- आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद

4- सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर

5- अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी

6- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव

7- मन्जू शर्मा, हाथरस

8- नरेन्द्र कुमार वर्मा अलीगढ़

9- रेनू, वाराणसी

10- कल्पना कुमारी, अलीगढ़

11- पूनम गुप्ता,अलीगढ़

मार्गदर्शन- आर के शर्मा, चित्रकूट

संकलन

काव्यमंजरी टीम मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam